# सहज योग कृषि प्रयोग पर सफल कहानी – श्री प्रकाश पटेल, सिरसी (मनावर),जिला – धार (म. प्र.)

श्रीमाताजी ने बतलाया कि वाईब्रेशन (चैतन्य लहरियाँ/स्पन्द) एक जीवन्त प्रकिया है, जो सोचती है और कार्य करती है, जिस प्रकार लोहे का चुम्बक पर प्रभाव होता है, उसी प्रकार यह कार्य करती है, इन चैतन्य लहरियो का प्रभाव जीवन्त चीजो पर क्रमशः पानी, वनस्पति वातावरण के साथ –2 मानव के उत्थान पर भी पडता है। विश्व के विभिन्न देशो में सहज कृषि पर अनुसंधान कार्य किये गये,उनके उत्साह जनक परिणाम देखने को मिले है।

श्रीमाताजी निर्मला देवी की असीम अनुकम्पा से साधारण पानी को श्रीमाताजी के फोटो के समक्ष रखा गया, परिणामस्वरूप आणविक संरचना, आक्सीजन एवं हाईड्रोजन बोन्डेज में परिवर्तन देखा गया। एवं घुलनशील क्षमता में सुधार देखा गया, इस चैतन्य पानी का प्रयोग फसलो, मानव एवं अन्य जीवन्त चीजो में करने से सकारात्मक परिणाम देखने को मिले है।

सहज कृषि तकनीक में सर्वप्रथम उन्नत बीज एवं पानी को श्रीमाताजी के समक्ष रखकर चैतन्यमय किया जाता है तो इसमे बीज के भूण्र (एम्बीरियो) जाग्रत हो जाता है तथा इन बीजो के बोने से साधारण बीज में 2–3 दिन जल्दी अकुंरण के साथ बीज का विकास तेजी से होता है। पिकअप ग्रोथ (पौधो की बढवार) अच्छी होने से फसल की बढवार में आशातीत वृद्धि देखी गई है, सिचाँई में चैतन्यमय पानी के उपयोग से वैज्ञानिक परीक्षणो आधार पर करीबन 10–15 प्रतिशत तक वृद्धि देखी गई है। श्रीमाताजी के चैतन्य लहरियो का प्रयोग कृषि, बागवानी, पशुपालन क्षेत्रो एवं अन्य जीवन्त चीजों में करके उत्साहवर्धक सकारात्मक परिणाम देखने को मिले है।

इसी कडी में सहजी कृषक द्वारा सहज कृषि प्रयोग पर आधारित सफल कहानी प्रस्तुत की जा रही है।

सहजी कृषक श्री प्रकाश पटेल निवासी सिरसी (मनावर) जिला – धार (म. प्र.) मो. 9617262117 बडवानी से 15 कि.मी. दूर सिरसी गांव में रहते है, सहज योग मे जनवरी 2015 से श्रीमति निर्मला देवी से आत्म साक्षात्कार प्राप्त किया। सहज कृषि करने की प्रेरणा मुझे श्रीमाताजी की कृपा से सहजी डॉ. कैलाश महाजन मो. 9424585696 खरगोन को माध्यम बनाकर मुझ तक पहुचाँई।गत 5 वर्ष से श्री पटेल (पाटीदार) श्रीमाताजी निर्मला देवी द्वारा प्रसारित चैतन्य (वाईब्रेशन) का अपने 40 बीधा खेत में उपयोग कर रहे है। सहज कृषि तकनीक मे गत 5 वर्षो से चना, कपास एवं गेहुँ में चैतन्यमय बीज एवं पानी का प्रयोग कर रहे है, हर वर्ष खेत के चारो कोनो पर नारियल एवं एक नारियल खेत के बीच में खड्डा कर गणेश अर्थवाशीस करते है, स्थापित कर रहा हूँ, जिसके चैतन्य बना हुआ है। इसके साथ प्रत्येक सिचाँई माँ के समक्ष रखा गया चैतन्य पानी का उपयोग सिचाँई में कर रहा हूँ। चना, कपास वं गेहुँ की फसल

में गणेश अर्थवाशीस बोलते हुए खेत में घुमते हुए दोनो हाथ से खडी फसल में बीच–2 में वाईब्रेशन दे रहा हूँ।

उल्लेखनीय है कि शुरू में सहजयोग में जुडने के बाद खेत में कुंआ खोदने के लिए श्रीमाताजी से अनुमति लेकर कार्य शुरू किया तथा वहाँ बैठकर वाईब्रेशन लिये तथा कार्य शुरू किया, श्रीमाताजी की कृपा से 40 बीघा जमीन के लिए पर्याप्त पानी मुझे मिल गया, अब मोटर बन्द करनी पडती है।

सहज कृषि तकनीक अपनाने से गेहूँ, चना, सरसो का उत्पादन में आशातीत वृद्धि हुई चना में 5 क्विंटल/बीघा उत्पादन सहज कृषि तकनीक अपनाने से जबकि कन्ट्रोल (बिना सहज कृषि) 3 क्विंटल/बीघा मिलता था। गेहूँ में 10–11 क्विंटल प्रति बीघा (कन्ट्रोल में 5–6 क्विंटल/बीघा) तथा कपास में 5 क्विंटल/बीघा (कन्ट्रोल में 4 क्विंटल/बीघा) उत्पादन हुआ, इसके अलावा खाद एवं दवाई उपयोग में कमी आई एवं शुद्ध मुनाफा ज्यादा मिला पहले वर्ष 10 लाख की फसल, दुसरे वर्ष 12 लाख एवं तीसरे वर्ष 15 लाख की फसल का अनुमान लगा रहा था, जो श्रीमाताजी की कृपा से 19 लाख की फसल होगी। चना फसल फोटो प्रस्तुत है। (सलंग्न है)

मेरा सभी सहजी किसान भाईयो एवं अन्य किसानो से निवेदन है कि सहज योग को अपनाकर आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करे, इसके बाद सहज कृषि अपना कर अपने कृषि उत्पादन में वृद्धि कर अच्छी क्वालिटी का उत्पाद प्राप्त करे। अपनी जिन्दगी खुशहाल बनाये सहज योग का फायदा स्वंय अपने को तो है ही (साधक को परमचैतन्य की अनुभूति, आत्मज्ञान, विवेकशीलता, मानसिक शान्ति, सांसारिक जीवन में देवीय आशीष का प्रत्यक्ष अनुभव होना, साधक स्वंय को परमेश्वरी साम्राज्य मे महसुस करना आत्मसाक्षात्कार के बाद मानव जीवन की सार्थकता, आनन्दमय खुशहाल जिन्दगी।) बल्कि कृषि, बागवानी, पशुपालन में भी बहुत फायदे हुए है।

क्षेत्र के आस पास कृषक मे खेत की फसल देखकर प्रभावित होकर सहजयोग को अपना रहे है, खरगोन, बडगांव व अन्य क्षेत्रो में कृषक टीम आकर फायदा उठा रही है। श्री महेन्द्र व्यास स्टेट कोर्डीनेटर मध्यप्रदेश ने भी सहज कृषि कार्यक्रम को प्रोत्साहित करने हेतु रूझान प्रर्दशित किया है।

कृपया इस आलेख को पढकर भारत के विभिन्न राज्यो में हो रहे सहजी कृषि कार्य का विस्तृत विवरण एवं परिणाम श्री जी. डी. पारीक, जयपुर (राज.) के मोब. 9828451514 या ईमेल – gdparkeek@yahoo.com पर भिजवाये ताकि सभी सहजी भाई–बहिनो का सहज कृषि तकनीक अपनाने में लाभान्वित किया जा सके।

SHOT ON OPPO

SHOT ON OPPO

SHOT ON OPPO